पाकरटांड़ व बांसजोर में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन

केंद्र सरकार युवाओं की शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए विशेष बल दे रही है : अर्जुन मुंडा

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा जिला के सुदूरवर्ती क्षेत्र के आदिवासी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रोत्साहन देते हुए मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पाकरटांड के सोगड़ा एवं बांसजोर के कुल्लामारा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह ने केंद्रीय मंत्री को शोल ओढ़कर एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।सर्वप्रथम उपायुक्त ने स्वागत भाषण दिये जिसके बाद केंद्रीय मंत्री मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आज सिमडेगा जिला के पाकरटांड़ एवं बांसजोर प्रखंड के एकलव्य आदर्श विद्यालय का उद्घाटन मेरे लिए गौरव का क्षण है।१आज का दिन हमारे बच्चों की मुस्कान को, उनके विकसित भविष्य को और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में दृढ़ कदमों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार युवाओं को शिक्षा और प्रोत्साहन के लिए विशेष बल दे रही है। एकलव्य आदर्श सैद्धांतिक सिद्धांत की परिकल्पना जन-जातियों की प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए दिया गया है, ताकि सरल जन-जनजाति की प्रतिभाओं को शिक्षा से वंचित न किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र- छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न प्रकारों की खेल का सुविधा मिलेगी। वही उन्होंने बताया कि इसके लिए देशभर में अब तक 10000 शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है और बाकी 30000 शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सभी विद्यालयों को शुरू किया जाएगा ताकि यहां पर आदिम जनजाति के बच्चों को बेहतर शिक्षा दिया जा सके । मौके पर सिमडेगा उपायुक्त ने कहा आज बांसजोर एवं पाकरटांड़ प्रखंड के लिए गौरवशाली का दिन है जब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का आधारशिला मंत्री ने स्वयं रखी वह आज पूरा हो रहा है, यह उद्घाटन समारोह।उपायुक्त ने कहा कि जनजाति कार्य मंत्रालय का यह प्रयास, उसकी जो यह टीम है, पूरे देश में जनजाति, आदिम जनजाति और विशेष रूप से पिछड़े जनजाति परिवारों के बच्चों के लिए समग्र शिक्षा, समग्र विकास के लिए यह परिकल्पना रखी है।एकलव्य आदर्श मॉडल आवासीय विद्यालय में बच्चों का न केवल मानसिक, शारीरिक, बल्कि सामाजिक विकास भी होगा और ऐसे रेजिडेंशियल मॉडल स्कूल में पढ़ने के बाद बच्चें जो बेस्ट स्कूल है, सरकार को जैसे केंद्रीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, वैसी शिक्षा बल्कि उसे बेहतर शिक्षा मिले वैसे वातावरण तैयार करना और केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि शारीरिक रूप से भी मजबूत करना है।